Roll No.: ....

Total No. of Questions : 5]

[Total No. of Printed Pages : 1

W-3443

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

SANSKRIT

Paper - IV

Vishesh Kavi (Bhabhooti)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) ***Maximum Marks : 100 (For Private Students)***

Minimum Pass Marks : 29 ***Minimum Pass Marks : 34***

Note : Attempt all questions.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Q.1. अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 17/20

i) विश्वभरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां बधूस्त्वमसि नन्दिनि! पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरूर्वयं च।

ii) जीवत्सु तातपादेषु नवे दारपरिग्रहे।
मातृभिश्चिन्त्यमानानाँ ते हिं नो दिवसा गताः।।

Q.2. अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 17/20

i) कृतक्षत्रियकण्ठकन्दरसरत्कीलालनिर्वापित–
प्रत्युद्भूतशिखाकलापहुतभुग्झंकारि भिर्मा र्गणैः।
सतद्घस्मरकालरूद्रकवलव्यापारमभ्यस्यतु
ब्रह्मस्तम्बनिकुञ्जपुञ्जित घनज्याघोषघोरं घनुः।।

ii) अयंतु यजमानेन यक्ष्यमाणस्य मे गृहम्।
प्रेषितस्तेन वात्सल्यादनुजन्मा कुराध्वजः।।

Q.3. अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 17/20

i) व्यतिष जति पदार्थानान्तरः कोडपि हेतु–
र्न खलु बहिरूपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुद्गते चन्द्रकान्तः।।

ii) यन्मां विधेयविषये स भवान्नियुङ्क्ते
स्नेहस्य तत्फलमसौ प्रणयस्य सारः।
प्राणैस्तपोभिरथवाडभिमतं मदीयैः
कृत्यं घटेत सुहृदो यदि तत्कृतं स्यात्।।

Q.4. अधोलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए। 17/20

i) सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति।।

ii) वितरति गुरूः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जड़े।।

iii) गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न चलिङ्गं नच वयः।।

Q.5. महाकवि भवभूति के नाटकों में वर्णित समाज और संस्कृति पर प्रकाश डालिए। 17/20